[डा० अ रार अहमद]

उल्लेख उठाया था और उस वक्त विश्व नाथ प्रताप सिंह जी की सरकार के एक मंत्री ने इस सदन में उसके संबंध में यह आश्वासन दिया था कि 6 महीने के अंदर-अंदर हम किडनी ट्रांसप्लांटेशन के संबंध में कानून बनाएंगे । आज बिना किसी रजिस्ट्रेशन के, बिना किसी वैधानिक कार्रवाई को पूरा किए देश के अंदर जगह-जगह किडनी का व्यापार करने वाली संस्थाए बन गई हैं । छोट-छोटे अस्पताल किडनी का व्यापार करने के नाम पर खोल दिए गए हैं जहां गरीब आदमी की किडनी 10,000, 15,000 या 20,000 रुपए में खरीदकर विदेश से आने वाले या देश के करोड़पति या लखपति लोगों को लाखों रुपयों में लगाई जाती है । यह गरीब आदमी अपनी बच्ची की शादी करने के लिए अपनी किडनी बेचता है । मैंने 8 महीने पहले एक मेग्जीन पढ़ी थी जिसके अंदर नाम दिए ए थे उन लोगों के और बताया गया थ, कि किस प्रकार से एक आदमी ने अ बेटी की शादी करने के लिए किडन ची, किस प्रकार से एक आदमी ने खरीदने के लिए अपनी किडनी ब ची स प्रकार से एक आदमी ने अपना मकान खरीदने के लिए अपनी किडनी बेची और एक किडनी से किस प्रकार से वे अपना काम चला रहे हैं । इस प्रकार से अब तक तो यह धंधा सिर्फ किडनी तक ही सीमित था लेकिन आज आंख का व्यापार हो रहा है, आज त्वचा का व्यापार हो रहा है, आज खून का व्यापार हो रहा है ।

तो मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि इतने सारे कानून बनाने के साथ-साथ जो माननीय अंगों की मंडी आज इस देश के अंदर खुल गई है, मानव के गोश्त की मंडी इस देश के अंदर खुल गई है, उसको रोकने के लिए, उस पर बैन लगाने के लिए ताकि गरीब आदमी की किडनी न बिके, गरीब आदमी की आंख न बिके, गरीब आदमी की त्वचा न बिके, गरीब आदमी का खून न बिके, उसके लिए एक कानून बनाया जाए और जो भी ऐसे छोटे-छोटे अस्पताल और मेडिकल इंस्टीट्यूट बनाए गए हैं, जो इन चीजों का व्यापार करके लाखों रुपए इकट्ठे कर रहे हैं, उन पर पाबंदी लगाई जाए ।

मैं बहुत ज्यादा लंबी बात न करके आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करूंगा कि इस संबंध में माननीय मंत्री जी आश्वासन दें कि जल्दी से जल्दी एक कानून बनाया जाएगा और इस सदन के अदर लाया जाएगा ।

मौलाना अबैदुल्ला खान आज़मी (उत्तर प्रदेश) : जनाब वाइस चेयरमैन साहब, इन्होंने यह बहुत अहम मैटर उठाया है और यह इंसानियत की जिंदगी का सवाल है । मैं अपने आपको इनके इस बयान से संबद्ध करता हूं, इनकी भरपूर ताईद करता हूं और मांग करता हूं कि मिनिस्टर साहब इस सिलसिले में बयान देकर यह तमाशा बंद करें ।

† [مولانا عبیدالله خان اعظمی : جناب وائس چیرمین صاحب - انہوں نے یہ بہت اہم میٹر اٹھایا ھے - اور یہ انسانیت کی زندگی کا سوال ھے - میں اپنے آپکو ان کے بیان کے ساتھ سعیدہ کرتا ھوں - انکی بھرپور تائید کرتا ھوں اور مانگ کرتا ھوں کہ منسٹر صاحب اس سلسلے میں بیان دے کر یہ تماشہ بند کریں -]

कुमारी सईदा खातून (उत्तर प्रदेश) : हम भी इनका समर्थन करते हैं । मंत्री जी बैठे हुए हैं, हम चाहते हैं कि इसके बारे में कुछ कानून बने ।

Casual replies by Ministers to the Communications of Members of Parliament

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : जनाब वाइस चेयरमैन साहब, पार्लियामेंटरी डेमोक्रसी में पार्लियामेंट के मैम्बरान् की क्या हैसियत होती है, क्या होनी चाहिए, यह मुझ इस मुअज्जिज हाऊस में बताने की जरूरत नहीं है, लेकिन आज जो मैम्बरान्-ए-पार्लियामेंट की दुर्दशा हमारे ऑनरेबल मिनिस्टर्स की जानिब से की जा रही है, वह बहुत ही अफसोसनाक है और उस पर तवज्जो दी जानी चाहिए ।

सर, एक पार्लियामेंटरी पार्टी की एक मीटिंग के अंदर, मुझे आज तक याद है, एक सीनियर लीडर ने कहा, जो मिनिस्टर

† [3 Tfra&sliteration in Arabic script.

नहीं थे, पार्लियामेंट के मैम्बर थे, उन्होंने कहा कि आपमें और एक वजीर में क्या फर्क है ? तो मैम्बर ने खड़े होकर जवाब दिया कि प्राइम मिनिस्टर की नजर मंत्री जी की तरफ सीधी है और आपकी तरफ थोड़ी सी टेढ़ी है, बाकी इससे ज्यादा कोई फर्क नहीं है ।

आप जानते है कि पार्लियामेंटरी डेमोक्रेसी में हम आवाम को रिप्रजेंट करते हैं । मैं सिर्फ राज्य सभा के ताल्लुक से बात करना चाहता हूं । अगर इनडायरेक्ट हम यह देखें कि हम लोग यहां चुनकर आते हैं कितने लोगों को रिप्रजेंट करते हैं, तो 60 लाख से ज्यादा वोटर्स को हम इनडायरेक्ट रिप्रजेंट करते हैं और उनके मसाइल को सरकार के सामने लाना हमारा फर्ज-ए-अव्वलीन है । लेकिन, जनाब-ए-आली, बहुत अफसोस के साथ मुझे यह कहना पड़ता है और किसी सरकार की कोई कैद नहीं है इसके अंदर और पिछले डेढ़ साल से मैं इस हाऊस के अंदर हूं और यह मेरा तजुर्बा है व सारे फाइल मेरे पास बने हुए रखे हैं कि जितने खुतूत मिनिस्टर्स को लिख जाते हैं, उसके जवाब में आता है कि the matter is being looked into, he is looking into the matter, I am looking ino the matter. लेकिन वह कभी उसका जवाब पूरा करके नहीं भेजते। मैं समझता हूं कि 100, 200 या 300 खतों के अंदर से कभी-कभार किसी मिनिस्टर को या उनकी विजारत को यह ख्याल आ जाता है कि इस पर पूरी कार्रवाई करके मैम्बर को जवाब दे दिया जाए । अमूमन जवाब निगटिव में होता है क्योंकि मंत्री के पास तो टाइम नहीं है पढ़ने का और ब्यूरोक्रेसी का काम करने का अपना एक तरीका है ।

जनाब-ए-आली, मैं आपकी तवज्जो दिलाना चाहता हूं कि जब नई कांउसिल आफ मिनिस्टर्स बनी, तो 57 मिनिस्टर्स को 12.00 मैंने एक खत लिखा मुबारकबाद का, Noon सबने इसका जवाब दिया। मैंने मुबारकबाद लिखी और जुमला में लिखा था कि आपकी पार्टी ने अकलियतों से कमजोर तबके से जो वायदे किये हैं उसको आप पूरा करने की कोशिश करें अपनी वजारत में भी और अपनी पूरी सरकार के जरिये से भी । मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है और यह इल्जाम लगाना पड़ता है कि 57 में से 56 मिनिस्टर्स ने जो जवाब दिये हैं वह उस जुमले के मुताल्लिक नहीं हैं जो मैंने सवाल उठाया था । सिर्फ एक मिनिस्टर मि० भारद्वाज ने उस खत को पढ़ करके गालिबन जवाब दिया था और बाकी सारे मिनिस्टर्स ने यही समझा कि मैंने सिर्फ एक मुबारकबाद लिखी है और उन्होंने उसका रस्मी जवाब दे दिया । सर, मेरा कहना यह है कि इस मसले को बहुत सीरियसली लेना चाहिये । जो हम खुतूत लिखते हैं, गैस कनेक्शन की बात मैं आपको बताता हूं । मई का कोटा मुझे अब तक नहीं दिया गया और टेलीफोन के मामलात अब तक अटके पड़े हुये हैं । वहां पर जाइये, उल्टे-सीधे खत लगे होते हैं, आपका खत मेरी फाईल में है, मेरा खत दूसरे की फाईल में है। कोई ठीक निजाम नहीं है वहां पर । खुद एम०पीज० को जाकर बैठना पड़ता है, घंटों मगजपच्ची करनी पड़ती है और तब जाकर उसको दो या तीन या चार गैस कनेक्शन मिलते हैं और जो मंत्री के जानने वाले लोग हैं, वह जाते हैं और सामने 10–10 गैस कनेक्शन और 4–6 टेलीफोन कनेक्शन एक साथ सैंक्शन करा लेते हैं । मैं आपको ऐसी मिसालें दे सकता हूं । हम मेम्बरान पार्लियामेंट अवाम की खिदमत करने के लिये यहां पर आये हैं । जो आपने हमें हकूक दिये हैं या तो उन्हें पूरा कीजिये वरना मैं सफाई से कहना चाहता हूं कि हम लोग यहां पर घास खोदने के लिये नहीं आये हैं । मैं आपक माध्यम से तमाम विजारत के लोगों से कहना चाहता हूं कि अगर उन्होंने आइन्दा खतों के जवाब मुकम्मिल करके एक महीने में नहीं दिया तो मैं सबसे पहला मेम्बराने पार्लियामेंट हूंगा जो एक-एक करके तमाम विजारतों पर धरना दूंगा । इसलिये मैं चाहता हूं कि आपकी गवर्नमेंट को हिदायत करें कि इस सिलसिले में फौरी तौर पर तथोज्ञह दें, नहीं तो मेम्बराने पार्लियामेंट की एक कमेटी बनायी जाये, जो यह देखे कि मेम्बराने पार्लियामेंट जो खतूत मिनिस्टर्स को लिखते हैं उनके क्या जवाब दिये गये ? तीन-तीन, चार-चार, छः-छः, एक-एक साल के खतूत मेरी इस फाईल में हैं । आप इसका मुलाहिजा कर सकते हैं। अगर आप कहें तो मैं टेबिल पर रख देता हूं ।

ہمارا فرض اولین ہے لیکن جناب عالی
بہت افسوس کے ساتھ مجھے یہ کہنا پڑتا ہے
اور کسی سرکار کی کوئی قید نہیں ہے اس کے
اندر اور پچھلے ڈیڑھ سال سے میں اس
ہاؤس کے اندر ہوں اور یہ میرا تجربہ ہے
وہ سارے فائل میرے پاس پنے ہوئے
رکھے ہیں۔ کہ جتنے خطوط منسٹر کو لکھے
جاتے ہیں اس کے جواب میں آتا ہے کہ
the matter is being looked into, he is looking into the matter, I am looking into the matter.
لیکن وہ کبھی وہ اس کا جواب پورا کر کے
نہیں بھیجتے میں سمجھتا ہوں کہ سو دو سو
یا تین سو خطوں کے اندر سے کبھی کبھار
کسی منسٹر کو یا ان کی وزارت کو یہ خیال
آجاتا ہے کہ اس پر پوری کارروائی کر کے
ممبر کو جواب دیدیا جائے۔ عموماً جواب
نیگیٹو میں ہوتا ہے۔ کیونکہ منتری کے
پاس تو ٹائم نہیں ہے پڑھنے کا۔ یہ ورکریسی
کا کام کرنے کا اپنا ایک طریقہ ہے۔
جناب عالی میں آپ کی توجہ دلانا چاہتا
ہوں کہ جب نئی کاؤنسل آف منسٹرس بنی تو
ستاون منسٹرس کو میں نے ایک خط لکھا
مبارکباد کا۔ سب نے جواب دیا۔ میں نے
مبارکباد لکھی اور جملے میں لکھا تھا کہ آپکی
پارٹی نے اقلیتوں سے کمزور طبقے سے
جو وعدے کئے ہیں اس کو آپ پورا کرنے

شری محمد افضل عرف م۔ افضل "اتر پردیش"
جناب وائس چیرمین صاحب۔ پارلیمنٹری ڈیموکریسی
میں پارلیمنٹ کے ممبران کی کیا حیثیت ہوتی ہے۔
کیا ہونی چاہئے۔ یہ مجھے اس معزز ہاؤس میں
بتانے کی ضرورت نہیں۔ لیکن آج جو ممبران
پارلیمنٹ کی درد شا ہمارے آنریبل منسٹرس
کی جانب سے کی جارہی ہے۔ وہ بہت ہی
افسوسناک ہے۔ اس پر توجہ دی جانی چاہیئے۔
سر۔ ایک پارلیمنٹری پارٹی کی ایک میٹنگ
کے اندر۔ مجھے آج تک یاد ہے۔ ایک سینئر
لیڈر نے کہا۔ جو منسٹر نہیں تھے۔ پارلیمنٹ
کے ممبر تھے۔ انھوں نے کہا کہ آپ میں
اور ایک وزیر میں کیا فرق ہے تو ممبر نے
کھڑے ہو کر جواب دیا کہ پرائم منسٹر کی نظر
منتری جی کی طرف سیدھی ہے اور آپ کی
طرف تھوڑی ٹیڑھی ہے باقی اس سے زیادہ
کوئی فرق نہیں ہے۔
آپ جانتے ہیں کہ پارلیمنٹری ڈیموکریسی
میں ہم لوگ عوام کو پریزنٹ کرتے ہیں میں
صرف راجیہ سبھا کے تعلق سے بات کرنا چاہتا
ہوں۔ اگر انڈائریکٹ ہم یہ دیکھیں کہ ہم
لوگ یہاں چن کر آتے ہیں۔ کتنے لوگوں
کو پریزنٹ کرتے ہیں تو ساٹھ لاکھ سے
زیادہ ووٹرس کو ہم انڈائریکٹ کرتے ہیں۔
اور ان کے مسائل کو سرکار کے سامنے لانا

†[]Transliteration in Arabic Script.

۱۰ — ۱۰ گیس کنکشن اور چار چھے ٹیلیفون کنکشن ایک ساتھ سینکشن کرا لیتے ہیں۔ میں آپ کو ایسی مثالیں دے سکتا ہوں۔ ہم ممبران پارلیمنٹ عوام کی خدمت کرنے یہاں آئے ہیں جو آپ نے ہمیں حقوق دے ہیں یا تو انھیں پورا کیجئے ورنہ میں صفائی سے کہنا چاہتا ہوں کہ ہم لوگ یہاں پر گھاس کھودنے کے لئے نہیں آئے ہیں۔ میں آپ کے مادھیم سے تمام وزارت کے لوگوں سے کہنا چاہتا ہوں کہ اگر انھوں نے آئندہ خطوں کے جواب مکمل کر کے ایک مہینہ میں نہیں دیا تو میں سب سے پہلا ممبر پارلیمنٹ ہوں گا جو ایک کر کے تمام وزارتوں پر دھرنا دوں گا۔ اس لئے میں چاہتا ہوں کہ آپ گورنمنٹ کو ہدایت کریں کہ اس سلسلے میں فوری طور پر توجہ دیں۔ نہیں تو ممبران پارلیمنٹ کی ایک کمیٹی بنائی جائے جو یہ دیکھے کہ ممبران پارلیمنٹ جو خطوط منسٹرس کو لکھتے ہیں اُن کے کیا جواب دیئے گئے۔ تین تین۔ چار چار چھ چھ، ایک ایک سال کے خطوط میری اس فائل میں ہیں۔ آپ اس کا ملاحظہ کر سکتے ہیں۔ اگر آپ کہیں تو میں ٹیبل پر رکھ دیتا ہوں۔

کی کوشش کریں۔ اپنی وزارت میں بھی اور اپنی پوری سرکار کے ذریعہ سے بھی۔ مجھے افسوس کے ساتھ کہنا پڑتا ہے اور یہ الزام لگانا پڑتا ہے کہ ستاون میں سے چھپن منسٹرس نے جو جواب دیئے ہیں وہ اس جملے کے متعلق نہیں ہیں۔ جو میں نے سوال اٹھایا تھا۔ صرف ایک منسٹر مسٹر بھاردواج نے اس خط کو پڑھ کر غالباً جواب دیا تھا۔ اور باقی سارے منسٹرس نے صرف یہی سمجھا کہ میں نے صرف مبارکباد لکھی ہے اور انھوں نے اس کا رسمی جواب دے دیا۔ سر۔ میرا کہنا یہ ہے کہ اس مسئلے کو بہت سریسلی لینا چاہئے۔ جو ہم خطوط لکھتے ہیں۔ گیس کنکشن کی بات میں آپ کو بتاتا ہوں مئی کا کوٹہ مجھے اب تک نہیں دیا گیا اور ٹیلیفون کے معاملات اب تک اٹکے پڑے ہوئے ہیں۔ وہاں پر جائیے الٹے سیدھے خط لگے ہوتے ہیں۔ آپ کا خط میری فائل میں ہے۔ میرا خط دوسرے کی فائل میں ہے۔ کوئی ٹھیک نظام نہیں ہے وہاں پر خود ایم پیز کو جا کر بیٹھنا پڑتا ہے۔ گھنٹوں مغز پچی کرنی پڑتی ہے اور تب جا کر اس کو دو یا تین یا چار کنکشن ملتے ہیں اور جو منتری کے جاننے والے لوگ ہیں وہ جاتے ہیں اور سامنے

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NA-GEN SAIKIA): You have made your point. That is enough.

SHRI MOHAMMED AFZAL Alias MEEM AFZAL: It is a very import. इ्राऊस को ant इस मसले matter. मैं समझता हू कि पूरे एसोसिएट करना चाहिये पर ।

SOME HONOURABLE MEMBERS: Yes, Yes... *(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NA-GEN SAIKIA) - All of you are associating. That is enough...*(Interruptions)* ...Please take your seat3 .. *(Interruptions)* ... It is noted that all ot you are associating. Please take your seats. *(Interruptions)* .. Please take your seats. It has been noted that ail of you are associating.

... *(Interruptions)* .,.

श्री शब्बीर अहमद सलारिया (जम्मू और कश्मीर) . . . . (व्यवधान) कोई गैस कनेक्शन नहीं मिला है, कोई टेलीफोन कनेक्शन नहीं मिला है. . . (व्यवधान) कोई अमल दरामद नहीं हुई है ।

شری شبیر احمد سلاریا . . .
"مداخلت" . . . . . کوئی
کنیکشن نہیں ملا ہے ۔ کوئی ٹیلیفون
نہیں ملا ہے . . . . "مداخلت" . .
کوئی عمل درآمد نہیں ہوئی ہے ۔

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: इन मिनिस्टर्स ने हम लोगों का मजाक बनाया हुआ है. . . (व्यवधान) वहां जाकर देखिये कि क्या-क्या फैसिलिटी दी गयी है। आपने चार गैस कनेक्शन एक महीने में दे रखें हैं, एक-सवा टेलीफोन कनैक्शन एक महीने के अंदर देते हैं और उसके बावजूद भी आप उसकी पूर्ति नहीं करते. . . . . (व्यवधान)

† [] Transliteration in Arabic Script

شری محمد افضل عرف م۔ افضل :۔ ان
منسٹرس نے ہم لوگوں کا مذاق بنایا ہوا ہے۔
. . . . " مداخلت " . . . . وہاں جاکر دیکھئے
کہ کیا کیا فیسیلٹی دی گئی ہے ۔ آپ نے
چار گیس کنیکشن ایک مہینے میں دے رکھے ہیں۔
ایک سو ٹیلیفون کنیکشن ایک مہینے کے اندر
دیتے ہیں ۔ اور اس باوجود بھی آپ اس کی
پورتی نہیں کرتے . . . . " مداخلت " . . .

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) : Whatever you want to say you can say, but don't create a problem here... (Interruptions) ...

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAG-EN SAIKIA): Honourable Members, he has made a point. ... *(Interrup-tions)*... Please He has made a point and all of you have associated. That's all. Yes, Mrs. Bijoya Chakravarty.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB); I have heard the demand of the Members and I also share their feeling that we should tell the-Ministers to take appropriate and prompt action. We will convey the feelings of the House to the concerned Ministers.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NA-GEN SAIKIA): That is good... *(Interruptions)* ... Please sit down. Don't make noise. The honourable Minister has given you an assurance. Please sit down. ... *(Interruptions)*... He i8s already assured the House...(In-*terruptions)* ... He has already assured the House and, after this if somebody speaks without my permission, nothing will go on record.

श्री मोहम्मद अफजल उफभीम अफजल ... (व्यवधान) दस हजार रुपये रिश्वत लेकर टेलीफोन लगते हैं इस मुल्क के अदर, आप जाकर चैक कर लीजिये । एक हजार रुपये में गैस कनेक्शन बिकते हैं यहां पर ।

شری محمد افضل عرف م۔افضل ۔ ۔ ۔ ۔
"مداخلت" ۔ ۔ دس ہزار روپے رشوت
لے کر ٹیلیفون لگتے ہیں ۔ اس ملک کے اندر۔
آپ جاکر چیک کیجئے۔ ایک ہزار روپے
میں گیس کنیکشن بکتے ہیں ۔

SHRI JAGDISH PRASAD MATH-UR (UTTAR PRADESH)- *

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NA-*GEN* SAIKIA): Please take your seat. You have made your points and the Minister has assured you. What more can he do? He has assured you. Please take your seats. Yes, Mrs. Chakravar-ty.

SHRl ISH DUTT YADAV (UTTAR PRADESH): *

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI (GUJARAT); *

Objectionable conduct of) principal of Kendriya Vidayalaya, Lawrence Road, New Delhi

SHRIMATI BIJOYA CHAKRA-VARTY (Assam): Mr. Vice-Chairman, Sir, I want to raise a very serious matter about the girl students of the Kendriya Vidyalaya, Lawrence Road, New Delhi.

It has appeared in different national dailies that the girl students have been on an indefinite strike for the last ten days. They are demanding immediate removal of the Principal and a few other teacher.

It was alleged in written complaints made by girl-studens of senior classes that the Principal made immoral advances towards them in an attempt to molest them. On a complaint mada by the All India Kendriya Vidyalayi Teachers Association, a preliminary enquiry was ordered. That has not yet been completed.

Sir, it is reported that the Principal and some other teachers have tried to mainpulate the enquiry also. No wonder, the sudents, their guardians and parents are restless. The parents met some of the authorities who visited the Kendriya Vidyalaya. It is a matter of concern to every body, especially to parents. If the girl-students are not safe in the School and that too because of the Principal, it is very unbecoming on the part of the Principal and the teachers.

So, through you, Sir, I appeal to the Minister that he should take immediate steps to put an end to this ugly behaviour in the Kendriya Vidyalaya.

Thank you.

श्रीमती बिजोया चक्रवर्ती (पश्चिमी बंगाल) : उपसभाध्यक्ष महोदय, माननीय विजया चक्रवर्ती जी ने बहुत गंभीर मामला उठाया है । हमारे शिक्षा संस्थान जिन्हें हम विद्या के मंदिर कहते हैं, वे अगर इस हालत में पहुंच जाएं तो हमें सोचना पड़ेगा कि कहां हमारा समाज है और कहां हमारी सरकार है । दिल्ली में हर रोज ऐसे मामले हो रहे हैं ।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA); Every mention made by Members is important.

Serious Situation arising out of Reluctance of ON.G.C. to explore oil in West Bengal and Gujarat Basins

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Sir I have to draw the

*Not recorded.

†[]Transliteration in Arabic Script.